हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में दिनांक 24 अक्टूबर, 2019 को 20वीं अनुसंधान सलाहकार समूह (Research Advisory Group-RAG) की बैठक का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में **दिनांक 24 अक्टूबर, 2019** को **20वीं अनुसंधान सलाहकार समूह (Research Advisory Group-RAG)** की बैठक का आयोजन संस्थान के सभागार में किया गया, जिसमें महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून द्वारा मनोनीत विभिन्न विषय-विशेषज्ञों जैसे हिमाचल प्रदेश वन विभाग के अधिकारी, अन्य शोध संस्थानों व विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों, जम्मू व कश्मीर के प्रगतिशील किसान, काष्ठ आधारित उद्योग के प्रतिनिधि तथा गैर–सरकारी संस्थानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया । इसके अतिरिक्त महानिदेशक, भा०वा०अ०एवंशि०प०, देहरादून के प्रतिनिधि **डॉ० विमल कोठियाल, सहायक महानिदेशक, अनुसंधान परियोजना** एवं **डॉ० शैलेन्द्र कुमार, मुख्य तकनीकी अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग** के माध्यम से बैठक के दौरान उपस्थित रहे ।

बैठक के प्रारम्भ में **डॉ० राजेश शर्मा, वैज्ञानिक-जी, समूह समन्वयक अनुसंधान व अनुसंधान सलाहकार समूह** के **सदस्य सचिव** ने **अनुसंधान सलाहकार समूह** के सभी उपस्थित माननीय सदस्यों का हार्दिक अभिनन्दन किया । शुरूआत में उन्होंने बताया कि संस्थान स्तर का यह **अनुसंधान सलाहकार**

समूह उच्च गुणवत्ता वाले वानिकी अनुसंधान के लिए दिशा-निर्देश प्रदान करता है । उन्होंने माननीय सदस्यों और अन्य प्रतिभागियों को अनुसंधान सलाहकार समूह की संरचना/गठन, भूमिका और इसके कार्यों के बारे में विस्तार से अवगत करवाया । तत्पश्चात समूह समन्वयक अनुसंधान ने माननीय सदस्यों को संस्थान, इसके विजन, मिशन और क्षेत्राधिकार के क्षेत्र, पिछली उपलब्धियों, चल रही अनुसंधान गतिविधियों व विस्तार गतिविधियों जैसे किसान गोष्ठी, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रम, मासिक सेमीनार और भविष्य की योजनाओं के बारे में प्रस्तुतिकरण के माध्यम से संक्षेप में अवगत कराया । उन्होंने वर्तमान में संस्थान द्वारा सिंधु नदी बेसिन की पांच प्रमुख नदियों - ब्यास, चिनाब, झेलम, रवि और सतलुज के पुनः उद्धार एवं कायाकल्प के लिए विस्तृत परियोजना रिर्पोट तैयार करने की एक महत्वपूर्ण परियोजना को कार्यान्वित करने के बारे में भी बताया ।

इसके पश्चात **डॉ० विमल कोठियाल, सहायक महानिदेशक, अनुसंधान परियोजना, आईसीएफआरई,** देहरादून ने आर०ऐ०जी के सभी माननीय सदस्यों का हार्दिक अभिनन्दन कर सभी से बैठक के दौरान नई प्रस्तुत की जा रही अनुसंधान परियोजनाओं को आलोचनात्मक तरीके से समीक्षा करने हेतु व उनके योग्यता के आधार पर स्कोर देने के लिए आग्रह किया । साथ ही सदस्यों के बहुमूल्य सूझाव हेतु आग्रह किया ताकि उच्च गुणवत्ता वाली परियोजनाओं की सिफारिश की जा सके, जो कि आगे मुख्यालय में आयोजित होने वाली **अनुसंधान नीति समिति (Research Policy Committee-RPC)** की वार्षिक बैठक के दौरान स्वीकृति हेतु प्रस्तुत की जाएंगी ।

तत्पश्चात, **डॉ० एस० एस० सामंत, निदेशक** हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला व **अनुसंधान सल्लहकार समूह** के **अध्यक्ष** ने सभी का स्वागत कर बैठक की महत्ता व आयोजित किए जाने के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए सदस्यों से अनुरोध किया कि वह बैठक के दौरान प्रस्तुत की जाने वाली परियोजनाओं की गुणवत्ता एवं उन्हें अधिक प्रभावशाली एवं उपयोगी बनाने हेतु अपने सुझाव व टिप्पणी दें । उन्होंने आशा व्यक्त की कि विषय-विशषज्ञों द्वारा दिए गए सुझाव एवं संशोधनों को प्रस्तावित शोध-परियोजनाओं में समाहित करने से उनकी व्यवहारिकता तथा उपयोगिता अवश्य ही बढ़ जाएगी । उन्होंने सूचित किया कि इस वर्ष बैठक में संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा **पांच नयी परियोजनाएं** सदस्यों के समक्ष उनकी अनुसंशा हेतु प्रस्तुत की जानी हैं जो कि बाद में **भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून** में आयोजित होने वाली **अनुसंधान नीति समिति** की बैठक में पारित / स्वीकृत किए जाने हेतु प्रस्तुत की जाएंगी ।

सत्र-I में संस्थान के वैज्ञानिकों डॉ० राजेश शर्मा, वैज्ञानिक-जी, डॉ० अश्वनी तपवाल, वैज्ञानिक-ई, डॉ० रणजीत कुमार, वैज्ञानिक-ई, डॉ० स्वर्णलता, वैज्ञानिक-सी एवं श्री पीताम्बर सिंह नेगी, वैज्ञानिक-सी ने नई परियोजनाओं को विस्तार से पावर पॉईंट प्रस्तुति के माध्यम से प्रस्तुत किया । प्रत्येक प्रस्तुति के बाद इन परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई तथा माननीय सदस्यों ने इन

परियोजनाओं को ओर उच्च गुणवत्ता वाली परियोजनाएं बनाने के लिए बहुमूल्य सूझाव दिये ।

सत्र-II में संस्थान के अनुसंधान प्रभागों में कार्यरत वैज्ञानिकों ने संस्थान में चलाई जा रही विभिन्न प्लान परियोजनाओं के अन्तर्गत की गई प्रगति के बारे में संक्षेप में बताया जिस पर सभी सदस्यों ने अपनी सहमति व्यक्त की ।

निदेशक महोदय के आग्रह पर सभी आर०ए०जी० सदस्यों ने संस्थान की परियोजनाओं के बारे में अपने-२ विचार व्यक्त किये । सदस्यों ने बैठक को सुनियोजित ढंग से आयोजित करने के लिए संस्थान की सराहना करते हुए बधाई दी ।

अन्त में डॉ० राजेश शर्मा, समूह समन्वयक अनुसंधान व उक्त बैठक के **सदस्य सचिव** ने **धन्यवाद प्रस्ताव** पारित किया ।

*****

अनुसंधान सलाहकार समूह की बैठक की झलकियाँ

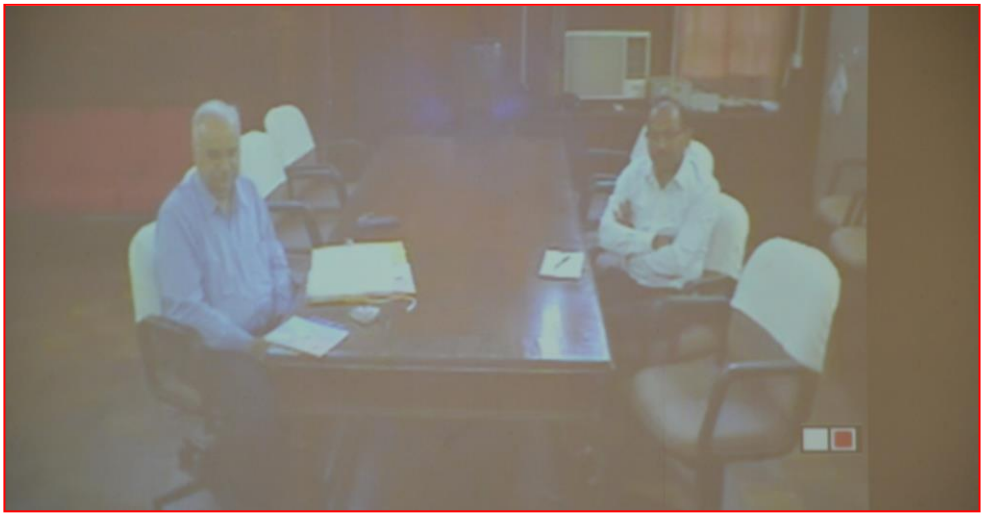

Research Objectives
Short Term Objectives:
Long Term Objectives:
Hypothesis:
HFRI

हि.व.अ.सं.
HFRI

WELCOME
HIMALAYAN FOREST RESEARCH INSTITUTE
20th RESEARCH ADVISORY GROUP
(RAG) MEETING

*****